मेरे रजा साहब

सूचना नुसार कृतियाँ करो [PAGE 18]

सूचना नुसार कृतियाँ करो | Q (१) | Page 18

संजाल पूर्ण करो :

Solution: रजा साहब की स्वभावगत विशेषताएँ :

१. उनके मन में सर्वधर्मसमभाव की भावना थी।

२. छोटी-छोटी बातों को भी वह महत्त्व देते थे।

३. अपने काम को बड़ी तन्मयता और लगन के साथ करते थे।

४. वे बहुत ही धैर्यवान थे।

सूचना नुसार कृतियाँ करो | Q (२) | Page 18

कृति पूर्ण करो :

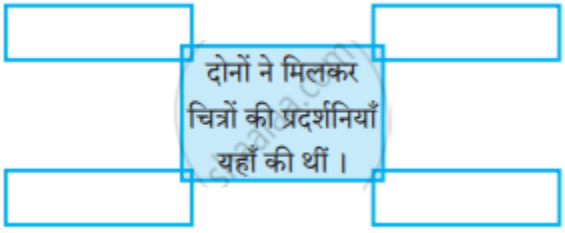

Solution:

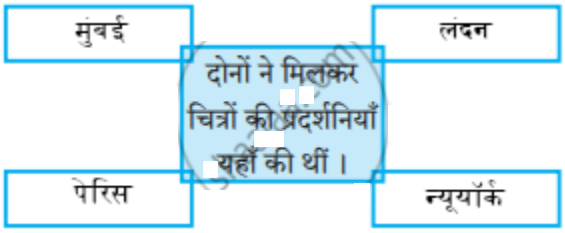

सूचना नुसार कृतियाँ करो | Q (३) १. | Page 18

सूची तैयार करो :

पाठ में आए विविध देशों के नाम।

Solution: पाठ में आए विविध देशों के नाम :

१. भारत

२. पेरिस

३. लंदन

४. न्यूयॉर्क

सूचना नुसार कृतियाँ करो | Q (३) २. | Page 18

सूची तैयार करो :

पाठ में उल्लिखित विविध भाषाएँ।

Solution: पाठ में उल्लिखित विविध भाषाएँ :

१. हिंदी

२. उर्दू

३. अंग्रेजी

४. फ्रेंच

सूचना नुसार कृतियाँ करो | Q (४) | Page 18

कृति पूर्ण करो :

Solution: खाने की इन चीजों में रजा साहब की जान अटकी रहती :

१. दाल

२. चावल

३. रोटी

४. आलू की सब्जी

भाषा बिंदु [PAGE 18]

भाषा बिंदु | Q 1 | Page 18

पाठ्यपुस्तक से दस वाक्य चुनकर उनमें से उद्देश्य और विधेय अलग करके लिखो।

Solution: १. हेलेना बहुत खूबसूरत हिंदी बोलती थी।

२. पत्नी बड़ी प्रसन्न हुई।

३. खिड़कियाँ खुली रह गइर् होंगी।

४. ठेकेदार नया था।

५. घमंडी दाँत अब निरुत्तर थे।

६. हरेक आदमी शिकार करता था।

७. बैंक खुले हुए हैं।

८. शालू बच्ची लगती थी।

९. लेखक अंग्रेजी माध्यम से पढ़ने लगा।

१०. पढ़ाई पिछड़ती गई।

क्र.	उद्देश्य	विधेय
१.	हेलेना	बहुत खूबसूरत हिंदी बोलती थी।
२.	पत्नी	बड़ी प्रसन्न हुई।
३.	खिड़कियाँ	खुली रह गइर् होंगी।
४.	ठेकेदार	नया था।
५.	घमंडी दाँत	अब निरुत्तर थे।
६.	हरेक आदमी	शिकार करता था।
७.	बैंक	खुले हुए हैं।
८.	शालू	बच्ची लगती थी।
९.	लेखक	अंग्रेजी माध्यम से पढ़ने लगा।

१०.	पढ़ाई	पिछड़ती गई।

उपयोजित लेखन [PAGE 18]

उपयोजित लेखन | Q 1 | Page 18

'जहाँ चाह होती है वहाँ राह निकल आती है', इस सुवचन पर आधारित अस्सी शब्दों तक कहानी लिखिए।

Solution:

जहाँ चाह होती है वहाँ राह निकल आती है

मेहनती रोहन अपनी माँ के साथ गाँव में रहता था। वह बहुत ही गरीब था। बचपन में ही उसके पिता की मृत्यु हो गई थी। रोहन की पढ़ाई-लिखाई व उसके भरण-पोषण की जिम्मेदारी उसकी माँ पर ही थी। माँ सब्जियाँ बेचकर घर चलाती थी। रोहन बहुत ही होशियार था। वह हमेशा बुद्धिमानी व चतुराई से कार्य करता था। जीवन में एक सफल इंसान बनकर दूसरों की सेवा करना उसका लक्ष्य था। एक दिन अचानक बीमार पड़ने के कारण माँ सब्जियाँ बेचने नहीं जा पाई। दवा खाने के बाद भी माँ की तबियत में कोई सुधार नहीं हुआ, बल्कि हालत और भी खराब होती गई। रोहन ने बड़े डॉक्टर से माँ का इलाज करवाया। घर में जितने भी पैसे थे सारे माँ के इलाज में खर्च हो गए। डॉक्टर ने माँ को कुछ दिन आराम करने की सलाह दी।

सारे पैसे खर्च हो जाने के कारण रोहन अपने विद्यालय की फीस नहीं जमा कर पाया। शिक्षक ने जब उसे बुलाकर फिस न जमा करने का कारण पूछा तो रोहन ने सारी बात शिक्षक को बताई। शिक्षक ने प्रधानाचार्य से बातकर रोहन की उस महीने की फीस माफ करा दी।

रोहन की घर की स्थिति देखकर उसके पड़ोसियों ने उसे समझाया कि तुम पढ़ाई- लिखाई छोड़कर कोई नौकरी करो और अपनी माँ की देखभाल करो। रोहन को अपनी पढ़ाई नहीं छोड़नी थी। उसे पढ़-लिखकर डॉक्टर बनना था, परंतु उसे कुछ समझ नहीं रहा था कि वह क्या करे। अगले महीने जब फिर से वह विद्यालय की फीस नहीं भर पाया तो, शिक्षक ने उसे एक सुझाव दिया कि तुम विद्यालय के बाद छोटे-छोटे विद्यार्थियों को पढ़ाया करो, उससे तुम्हें थोड़ी आर्थिक मदद मिलेगी। रोहन भी इस बात के लिए मान गया। उसने अपने शिक्षक की सहायता से छोटे बच्चों को पढ़ाना शुरू किया और अपने मित्र की सहायता से सुबह घर-घर अखबार पहुँचाने का कार्य करने लगा।

माँ अपने बेटे को इस तरह कड़ी मेहनत करते देख परेशान हो गई, परंतु रोहन ने माँ को प्यार से समझाया कि अब वह बड़ा हो गया है। अपने बेटे की बड़ी-बड़ी बातें सुनकर माँ की आँखों में आँसू आ गए। देखते-ही-देखते रोहन के पास ढेर सारे पैसे जमा हो गए और उसने वे पैसे अपनी माँ को दिए और विद्यालय की फीस भी जमा कर दी। पढ़ाई में कड़ी मेहनत करके रोहन इस वर्ष परीक्षा में अव्वल आया और विद्यालय ने उसकी आगे की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति देना शुरू किया। इस तरह रोहन ने अपनी पढ़ाई के साथ-साथ अपने घर को भी सँभाला और आगे चलकर वह एक

डॉक्टर बन गया। गाँव के लोग रोहन की तरक्की देखकर बस यही कहते थे, 'जहाँ चाह होती है वहाँ राह निकल आती है।'

सीख: यदि मन में कुछ पाने की चाह हो तो उसके लिए रास्ते अपने आप निकल आते

उपयोजित लेखन | Q 2 | Page 18

मैंने समझा

_____

_____

_____

Solution: व्यक्ति को सर्वधर्मसमभाव की भावना के साथ सर्वत्र प्रेम फैलाते हुए आगे बढ़ना चाहिए। जीवन में छोटी-बड़ी बातों को महत्त्व देते हुए अपने कर्तव्यों का शांति व धैर्य से पालन करना चाहिए। इसके साथ ही व्यक्ति को अपने मित्र के प्रति कर्तव्यों का पालन पूरी ईमानदारी से करना चाहिए।

स्वयं अध्ययन [PAGE 18]

स्वयं अध्ययन | Q 1 | Page 18

किसी गायक/गायिका की सचित्र जानकारी लिखो।

Solution: मेरी प्रिय गायिका 'स्वर कोकिला' के नाम से विख्यात श्रीमती लता मंगेशकर जी हैं। लता जी का जन्म २८ सितंबर, १९२९ को मध्य प्रदेश के इंदौर में हुआ था। लता जी के पिता जी पंडित दीनानाथ मंगेशकर संगीत-प्रेमी व थिएटर से जुड़े थे। लगभग १३ वर्ष की आयु में अपने पिता को खो देने के बाद अपने संघर्ष से उन्होंने अपने पिता के स्वप्न को पूरा किया। 'भारतरत्न' से सम्मानित लता जी ने २० से अधिक भाषाओं में लगभग ३० हजार से अधिक गाने गाकर दुनिया में सबसे अधिक गीत गाने का गिनीज बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। गायन की दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान बनानेवाली लता जी समय-समय पर पद्म भूषण, पद्म विभूषण, दादासाहेब फाल्के पुरस्कार, फिल्मफेयर पुरस्कार, लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, राजीव गाँधी पुरस्कार जैसे लगभग सभी पुरस्कारों के साथ-साथ देश के सबसे बड़े पुरस्कार 'भारतरत्न' से भी नवाजी गई हैं।